We, the People of India-(Level 1)

प्रशिक्षण डिजाइन
"वी, द पीपल ऑफ इंडिया" नामक यह कार्यशाला लोगों के किसी भी समूह के साथ आयोजित की जा सकती है, जिसमें वे लोग भी शामिल हो सकते है जो पढ़ या लिख नहीं सकते हैं और जिन्हें संविधान के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

S.No.	विषय	तकनीक	अवधि
1	परिचय और संबंध निर्माण	चर्चा	10 Min
2	द्वीप गतिविधि और इसे प्रस्तावना से जोड़ना।	ग्रुप कार्य	30 Min
3	प्रस्तावना में दिए गए आधारभूत मानवीय मूल्यों को समझना।	चित्र के माध्यम से चर्चा	30 Min
4	अपने लिए एक प्रतिबद्धता बनाना।	जोड़े में कार्य	15 Min
5	निष्कर्ष	चर्चा	5 Min

सहजकर्ता के लिए निर्देश:

1. सत्र में भाग लेने से पहले facilitator को फिल्म "संविधान की प्रस्तावना" की नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करके जरूर देखनी चाहिए।

https://youtu.be/1QyZDHiGFvo (English)
https://youtu.be/Mmqg1Wp-umo (Hindi)

2 . फैसिलिटेटर्स की आसानी के लिए पिक्चर कार्ड बनाए गए हैं। फैसिलिटेटर को सेशन लेने से पहले इन पिक्चर कार्ड्स को प्रिंट कर लेना चाहिए। कृपया इन चित्र कार्डों को प्रतिभागियों को न सौंपें। कृपया इन्हें अपने पास रखें।

यहाँ पिक्चर्स कार्ड के लिए लिंक है:
https://drive.google.com/file/d/1yytNv-bcG0tLRETLDOoWjvFwipsX8l4c/view?usp=share_link

समय अवधि	निर्देश
10 minutes	परिचय
	बोले- आप सभी का स्वागत है। मुझे बहुत खुशी है कि हम यहां एक साथ बैठकर किसी ऐसी बात पर चर्चा कर रहे हैं जो वास्तव में हमारे लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन उससे पहले ये बताइये की आप सब कैसे हो? करें - यदि facilitator उन्हें पहले से जानते हैं तो जल्दी से उनके और परिवार के बारे में जान ले और यदि सहभागी facilitator के लिए नए हैं, तो आम तौर पर पूछें कि वे सभी कैसे हैं और वे कैसा महसूस कर रहे हैं?
30 minutes	द्वीप गतिविधि और इसे प्रस्तावना से जोड़ना

	कहिये - आइए सत्र की शुरुआत एक दिलचस्प गतिविधि के साथ करें। क्या आप सभी जानते हैं कि एक द्वीप क्या है? करें- 2-3 प्रतिक्रियाएँ लें। (यदि वे जानते हैं-तो सही है!)। यदि वे नहीं जानते हैं, तो समझाएं कि एक द्वीप क्या है। यह पानी से घिरी भूमि का एक टुकड़ा है। यानी एक ऐसा स्थान जो चारों तरफ़ पानी से घिरा हो। उन्हें द्वीप की छवि दिखाएं।**H1** दिखाए कहें - तो, हमारी गतिविधि का नाम है-द्वीप गतिविधि। करें - उन्हें समूहों में विभाजित करें। (एक समूह में 5 से अधिक नहीं होने चाहिए), उन्हें नीचे लिखे हुए निर्देश दें : कहें -कल्पना कीजिए कि आप, आपका परिवार और आपके कुछ पड़ोसी नाव पर जा रहे हैं। जब आप समुद्र के बीच में होते हैं तो आपकी नाव तूफान के कारण नष्ट हो जाती है।लेकिन, सौभाग्य से, आप सभी को पानी के बीच में जमीन का एक टुकड़ा मिल जाता है, जिसे हम एक द्वीप कहते हैं।अच्छी खबर यह है कि आप सभी बच गए हैं लेकिन बुरी खबर यह है कि यह जमीन का टुकड़ा अलग-थलग है। द्वीप में बहुत सारे प्राकृतिक संसाधन हैं लेकिन मनुष्य नहीं हैं।आपकी जरुरत के हिसाब से आप सभी के पास अपने जहाज पर कुछ बुनियादी समान हैं। लेकिन जहाज टूट गया है और इसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। आप सभी को जीवन भर यहीं रहना है और अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी।अब हम गतिविधि करते हैं। कहें - अब आप सब टापू पर हो, और चूँकि आपको यहाँ रहना है, आपको तय करना है कि आप यहाँ कैसे रहने वाले हो।उसके लिए सबसे पहले अपने द्वीप को एक नाम दीजिये । दूसरे, अपने द्वीप के लिए एक सपने के बारे में सोचें। वह कौन सा सपना है जिसे आप द्वीप के लिए, द्वीप पर रह रहे लोगों के लिए और आने वाली पीढ़ी के लिए हासिल करना चाहते हैं? करें - द्वीप के लिए अपनी दृष्टि और सपने के साथ आने के लिए उन्हें 10 मिनट का समय दें। एक बार जब वे तैयार हो उनकी प्रतिक्रियाओं पर चर्चा करें। कहें - प्रत्येक समूह एक-एक करके द्वीप के लिए अपने सपने को साझा करेगा। करें -- उनसे ऐसे प्रश्न पूछें: i) आपने यह विशेष सपना क्यों चुना? ii) जब वे अपने द्वीप के लिए सपना देख रहे थे तो उनके दिमाग में क्या चल रहा था? नोट: जब प्रतिभागी प्रतिक्रिया दे रहे हों, तो अपने द्वीप के लिए अपने सपने को प्रस्तावना में दिए गए मूल्यों से जोड़ दें। कहें - जैसे आप सभी ने अपने द्वीप के लिए एक सपना देखा था, वैसे ही सालों पहले हमारे संविधान सभा के सदस्य भी एक साथ बैठे थे और एक स्वतंत्र भारत का सपना देखा था। कि भारत कुछ मूल्यों जैसे समानता, न्याय, स्वतंत्रता, बंधुत्व आदि पर स्थापित होगा और इस तरह हमारे राष्ट्र का निर्माण शुरू हुआ। हमारे नेताओं के सपने के साथ। क्या आप अपने द्वीप के लिए देखे गए सपने के साथ इन मूल्यों का संबंध देखते हैं? करें --2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिये

	कहें -हाँ, एक जुड़ाव है। इन सभी मूल्यों का उल्लेख एक दस्तावेज में किया गया है जिसे हम अपने संविधान की प्रस्तावना कहते हैं। इस दस्तावेज़ में हमारे देश के लिए सपना है। प्रस्तावना में लिखे हुए विजन कुछ ऐसे है जिसे हम हमेशा अपने लिए हासिल करने का प्रयास करेंगे। किसी भी स्पष्टीकरण/प्रश्न के लिए पूछें, और यदि आवश्यक हो तो और समझाएं।
30 minutes	प्रस्तावना में दिए गए मूल मानवीय मूल्यों को समझना।
	Facilitator के लिए नोट: अपनी बातचीत समानता, न्याय, स्वतंत्र एवं बंधुता के मूल्यों पर केंद्र करें । कहे -- हमने आपके सपने को प्रस्तावना में दिए हुए सपने के साथ जोड़ा। अब समय है की हम प्रस्तावना को थोड़ा विस्तार से जाने और समझे। करें-- प्रतिभागियों को प्रस्तावना की पिक्चर दिखाए।**H2** दिखाए प्रस्तावना को ज़ोर से पढ़ के सुनाइए, यदि कोई वहां पढ़ सकता हो तो उन्हें पढ़ने के लिए बोलिये। कहे --क्या आपने ध्यान दिआ की पूरी प्रस्तावना एक लम्बा वाक्य है *?* करें- प्रतिभागियों से 2-3 प्रतिक्रियाएं लें। कहें - बीच में कोई पूर्ण विराम नहीं है। हमारे सभी अधिकारों और कर्तव्यों का मूल इस एक लंबे वाक्य में लिखा गया है। क्या आपने उन मूल्यों पर ध्यान दिया जिनका मैंने पहले उल्लेख किया था*?* करें - 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिये , उन लोगों को प्रोत्साहित करें जिन्होंने अभी तक कुछ भी नहीं बोला है या साझा नहीं किया है। कहें - आइए एक-एक करके इन मूल्यों को समझते हैं और जानते हैं। लेकिन उससे पहले, क्या आपने वी द पीपल ऑफ इंडिया/हम भारत के लोग शब्द पर ध्यान दिया था*?* मुझे बताओ *"*ये लोग कौन हैं*"?* 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिये। कुछ विकल्प दें जैसे, पीएम, सीएम, सरपंच, पति, पत्नी, आदि… कुछ लोग पहचान सकते हैं कि यह हम सब हैं। इसकी पुष्टि करें। **H3** दिखाए कहें - हाँ, हम सब हैं। यह हम हैं जिन्होंने हमारे द्वीप के लिए एक सपने का फैसला किया है और यह हम हैं, जो हमारे द्वीप के लिए उस सपने को हासिल करने के लिए काम करेंगे और यह हम ही हैं, जो उन सभी अच्छी चीजों से लाभान्वित होंगे जो सपना अपने साथ लाएगी। प्रस्तावना हमारे देश के लिए एक सपने की तरह है.. नागरिकों के रूप में हम इस संविधान के मालिक हैं। और हम, लोग सभी को शामिल करते हैं। आप मैं *(*वहां बैठे लोगों के कुछ नाम लीजिए*)*। जब मैं सबको कहता/कहती हूं, तो मेरा मतलब सभी से होता है। वो भी जो अभी हमारे साथ नहीं हैं। करें - इसे द्वीप गतिविधि से संबंधित करें। कहें - याद रखना यह एक व्यक्ति का सपना नहीं है, जिस तरह से आपने एक साथ फैसला किया था उसी तरह हम सभी ने मिलकर यह सपना देखा था जब हमें आजादी मिली थी। करें - अब समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मूल्यों की व्याख्या करने के लिए आगे आएं ।

	कहें - अब हम सपने को थोड़ा विस्तार से देखें और समझें। हम देखेंगे कि प्रस्तावना में क्या लिखा है।प्रस्तावना उस सपने के बारे में बात करती है जो हमने अपने राष्ट्र के लिए निर्धारित किया है। क्या आप यहां कुछ ऐसे शब्द देख सकते हैं जो बोल्ड/डार्क हैं? आइए हम उन्हें देखें और मुझे बताएं कि समानता शब्द सुनते ही आपके दिमाग में क्या आता है? करें - 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिए। समानता का दृश्य दिखाने वाला एक पिक्चर कार्ड दिखाए।**H4** दिखाए कहें -- समानता का मतलब है हर किसी के साथ एक समान व्यव्हार। किसी की जाति, धर्म, लिंग, उसके रहने का स्थान उससे अलग नहीं कर देता। हर एक व्यक्ति को समानता का अधिकार है। क्या ये सही होगा की क्यूंकि मैं एक अमीर आदमी/औरत हूँ तो मैं ही इस गाँव का प्रधान बनूँगा/बनूँगी? करें - 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिए। कहें -- नहीं ना । गांव का प्रधान बनने का अधिकार तो सभी का है। चाहे वो अमीर हो या गरीब, पुरुष हो या महिला। हमारी उद्देशिका भी इस तरीके की समानता की बात करती है. जहाँ लोग दिखने, रहने या स्तर में भले ही एक जैसे ना हो, लेकिन समान अवसर का अधिकार सभी को है। अच्छा ये बताइये आपको क्या लगता है क्या हमारे समाज में समानता है ? करें-- 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिए।. हमारे समाज में असमानता को दर्शाने पिक्चर कार्ड दिखाए।**H5** दिखाए कहें -- ज़ाहिर है की हमारे समाज में कई असमान्तायें है - कोई अमीर कोई गरीब है कोई महिला है कोई पुरुष है कोई बच्चा है कोई बोध है , कोई शहर में रहता है कोई गाँव में, कोई काला है कोई गोरा। हम सब अलग अलग हैं। हर व्यक्ति अलग है उसका जीवन अलग है। इसलिए हमारी उद्देशिका में लिखा हुआ है की इस देश के हर नागरिक को समान अवसर और दर्ज़ा मिलना चाहिए, हम अभी यह सपना पूरा नहीं कर पाएँ हैं। हम सब भिन्न है और रहेंगे, लेकिन हम सब को बराबर भी होना होगा, पूरी तरह तो नहीं लेकिन हम इस पथ पर आगे तो बढे है. लेकिन हमारा उद्देश्य होना चाहिए की हम समानता के मूल को अपने जीवन में ही उतार ले। जैसे की अपने बेटा या बेटी में फरक ना करें, जाती या धर्म पे किसी के साथ भेदभाव ना करें। याद रखें की ये उद्देशिका हम भारत के लोगों ने अपने लिए ही बनाई है तो काम भी हमें ही करना पड़ेगा। किसी के मन में कोई सवाल ? करें - स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए रुकें यदि कोई हो कहें – अगला शब्द देखते हैं - अच्छा न्याय कहा होता है? न्याय क्या सिर्फ अदालत में होता है? करें - 2-3 प्रतिक्रियाएं लीजिए।

	कहें -- न्याय का मतलब सिर्फ कोर्ट कचहरी में मिलने वाला न्याय नहीं बल्कि एक ऐसे समाजको बना है जिसमें सभी को यह एहसास हो की उनके साथ कोई अन्याय नहीं हो रहा है न ही कोई पक्षपात हो रहा है और ऐसे समाज के निर्माण की शुरुआत यही से होती है, हम सबसे। हमारी उद्देशिका भी ऐसे ही न्याय की बात करती है जो सामाजिक यानी समाज में एक तरीके का व्यव्हार, आर्थिक, यानी सभी को काम करने का अधिकार एवं राजनैतिक, यानी की सभी को चुनाव में खड़े होने और साथ सभी को चुनाव में बराबर से भागीदारी करने का अधिकार । करें - सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के चित्रों पिक्चर कार्ड दिखाए।**H6** दिखाए कहें – यदि आप *18* साल की उम्र से ऊपर है तो आप अपना राजनेता चुन सकते है और ये भी एक न्याय का हिस्सा है।साथ ही समाजिक न्याय में यह बात शामिल है की सभी को समाज में बराबरी की नज़र से देखा जाए कोई किसी के साथ सामाजिक तौर पर अन्याय ना करे। न्याय का एक और पहलू है - आर्थिक न्याय, हम सब को अपना आर्थिक विकास के लिए मौक़ा मिले और कोई भी किसी का आर्थिक शोषण न करे। इस तरह से देखा जाए तो न्याय एक ऐसी व्यवस्था है जो हर स्तर पर नागरिक को अपने लिए एवं दूसरे के लिए सुनिश्चित करनी पड़ती है। करें - स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए रुकें यदि कोई हो कहें – अच्छा अब थोड़ा आगे बढ़ते हैं , अगर मैं आपको कहूं की आप ऐसे सिन्दूर नहीं लगा सकती है या आप ये धोती नहीं पहन सकते है और कल से पूरा गाँव केवल एक ही प्रकार का खाना खाएगा, एक जैसे कपड़े पहनेगा और एक ही धर्म को मानेगा तो आपको कैसा लगेगा*?* करें -- 2-3 प्रतिक्रियाएँ लें। यहाँ आज़ादी का हैंडआउट दिखाएँ और उसके बारे में बात करना जारी रखें।**H7** दिखाए कहें -- अजीब लगेगा ना*?* हमारे इस गाँव में ही कितने विभिन्न समुदाय के लोग है, और सबकी अपनी अपनी एक संस्कृति है, पहनावा है, बोल चाल है. वैसे ही हमारा देश भी बहुत विभिन्न है. और सभी को अपनी मर्ज़ी से अपना जीवन जीने का अधिकार हमारी उद्देशिका देती है। करें- धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित पिक्चर कार्ड दिखाए।**H8** दिखाए कहें – आप राम, अल्लाह, गुरुनानक, क्राइस्ट, किसी को भी मानते हो, आपको अधिकार है की आप अपने आप को व्यक्त करें. किसी में नहीं मानते तो उन्हें भी अधिकार है. सिर्फ धर्म ही नहीं, बल्कि खाने-पीने, रहन सहन एवं अपनी बात को रखने का भी अधिकार है. अच्छा मानिये की मैं कहूं की नहीं आज सिर्फ पुरुष ही बोलेंगे महिलाएं नहीं, क्या ये सही होगा*?* करें - 2-3 लोगों से प्रतिकियाएँ लें । कहें - बिलकुल सही । मैं ऐसा कोई नियम बना ही नहीं सकता/सकती जो किसी भी व्यक्ति से उसकी अभिव्यक्ति का अधिकार छीन लें. सब कोई बिना किसी डर के अपनी बात प्रकट कर सकें, बस इसी सपने के साथ इस उद्देशिका को बनाया गया था । अब तक हमने जो चर्चा की उस पर आपका कोई सवाल हो या मन में कोई बात हो तो रख सकते हैं । करें - स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए रुकें यदि कोई हो

	कहें -- जैसे मैंने अभी विभिन्नता की बात की, तो हम सभी हमारे अलग होने के बावजूद एक साथ रहते है ना? कई कई जगह ऐसा होता है की एक समुदाय के लोग गाओं के एक हिस्से में बस जाते है पर क्या हमें सोचना नहीं चाहिए की हम सब मिल कर रहे? करें - स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए रुकें यदि कोई हो कहें -- हमारी उद्देशिका में बंधुता यानी एक साथ मिल के रहने की बात की गई है। करें - भाईचारे से सम्बंधित पिक्चर कार्ड दिखाए।**H9** दिखाए कहें -इस मूल पे संविधान बनाने वालो ने काफी ज़ोर डाला क्यूंकि हमने अभी जिन भी मूल्यों की बात की उनका कोई भी अर्थ नहीं रहेगा यदि हम एक साथ आके एक दूसरे के लिए काम ना करें तो। जब भी कोई मुश्किल वक़्त आ जाता है कैसे हम अपने करीबी लोगों के लिए तुरंत खड़े हो जाते है। उसी तरह इस देश के नागरिक होने के नाते ये हमारा कर्त्तव्य है की हम अपने सभी साथियों के साथ मिल कर रहे। यही तो हमारे देश की ख़ास बात है की हम इतने विभिन्न दिखने, बोल चाल और धर्म के लोग एक साथ रहते है। लेकिन इस बंधुता को कायम रखने के लिए एक नागरिक होने के नाते हमें ये समझना होगा की ये हमारे लिए अच्छा ही नहीं बल्कि ज़रूरी भी है। जब पांचो उंगलिआं इकठ्ठा होती है तो मुट्ठी बनती है और संगठन की यही ख़ास बात है की वो हमें मज़बूती प्रदान करती है। कहें -- किसी के मन में कोई सवाल? करें - 2-3 प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा करें। कहें – हमने अभी उद्देशिका में दी गई जिन मूल्यों की बात की ये सभी मानव जीवन के एहम मूल है। एक मनुष्य को उसके जीवन में समान अवसर मिलें, वो अपने खान पोषण का ध्यान रख सकें और उसके साथ कुछ अन्याय ना हो, यही सपना है इस राष्ट्र का। और जिस तरह से हमने इन मूल्यों को समझा, हमें ये भी पता चला की इनको पूर्ण तरह से अपने जीवन में उतरने के लिए सरकार के साथ साथ हमें भी उतना ही काम करना पड़ेगा। और यह काम आज और अभी से शुरू हो सकता है। हम आज ही संकल्प ले की हम धीरे-धीरे इन मूल्यों को अपने जीवन में उतारने की कोशिश करें। समय लगेगा लेकिन सपना तो सपना है, उससे पूरा करने के लिए मेहनत तो करनी पड़ेगी। आपके मन में कोई सवाल या विचार आ रहा हो तो कृपया साझा करें । करें - स्पष्टीकरण/प्रश्नों के लिए रुकें यदि कोई हो
15 minutes	सपने को साकार करने के लिए खुद के प्रति प्रतिबद्धता **(commitments)** बनाना
	कहें – तो हमने अभी एक सपने के बात करी,बहुत ही सुन्दर सपना है ना. तो बताइये किसका सपना है ये? कौन पूरा करेगा इस सपने को? करें - 2-3 प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा करें।

	कहें – जी, इस सपने को आप, मैं, सरकार, हम सब मिलकर पूरा करेंगे। इस बात का आप ध्यान रखिये इस देश का हर नागरिक बहुत ही ख़ास है, ये सपना जो हमने देखा है ये हम भारत के लोगों का है। इसीलिए अगर आपको लगे की ये पूरा नहीं हो पा रहा है तो आवाज़ उठाये, संगठन बनाये, मिलकर काम करें। इस बात को समझने की ज़रुरत है की सरकार को हमने चुना है, ये देश हमसे बनता है और इसीलिए हमारी जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण है। अब समय है की हम इसकी ओर मिलकर कदम बड़ाएँ। इन मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का समय आ गया है। आगे बढ़ते हुए, वह कौन सी प्रतिबद्धता होगी जिसे आप एक नागरिक के रूप में बनाना चाहते हैं। हमने जो गतिविधि की और आज आपने जो सीखा, उसे ध्यान में रखें। ये प्रतिबद्धताएं छोटे कार्य बिंदु हो सकती हैं जैसे कि अब से किसी भी महत्वपूर्ण चर्चा में मैं यह सुनिश्चित करूंगा/करुँगी कि परिवार के सभी सदस्य अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम हों। मैं अपने बेटे और बेटी के साथ समान व्यवहार करूंगा/करुँगी । मैं उन संदेशों को आगे नहीं बढ़ाऊंगा/बढ़ाउंगी जो अन्य समुदायों/धर्मों आदि के लिए घृणा से भरे हुए हैं। जब आप अपनी प्रतिबद्धता के बारे में सोचते हैं तो सुनिश्चित करें कि वे करने योग्य हैं। इसका मूल्य तभी होगा जब आप आज इस सत्र के बाद भी वास्तव में अपने जीवन में उनका अभ्यास करेंगे।आइए हम लोग दो -दो के जोड़े में बैठें और अपने उस कदम के बारे में अपने साथी को बताएँ जो हम अपने देश के सपने को पूरा करने के लिए लेना चाहेंगे। करें - सभी प्रतिभागियों को जोड़ियों में बाँट दें। उनसे अपनी प्रतिबद्धताओं के बारे में आपस में चर्चा करने के लिए कहें। उन्हें चर्चा के लिए कम से कम 10 मिनट का समय दें। घूमें और देखें कि क्या वे अपनी प्रतिबद्धताओं के बारे में सोच रहे हैं, चर्चा कर रहे हैं और साझा कर रहे हैं। 10 मिनट के बाद पूछें कि क्या कोई अपनी प्रतिबद्धताओं को साझा करना चाहेगा। 5-6 प्रतिक्रियाएँ लें। कहें - आपकी प्रतिबद्धताओं को देखना वाकई उत्साहजनक है, मैं आपको बता दूं कि देश के लिए हमारे सपने को पूरा करने की दिशा में यह आपका पहला कदम है। यदि हम सब मिलकर काम करें तो संभव है कि हम इस सपने को साकार कर सकेंगे। मैं आपको शुभकामनाएं देता/देती हूं कि आपने जो किया है उसका अभ्यास करने में सक्षम रहे ।
5 Minutes	निष्कर्ष
	कहें - चलिए अंत में हम देखते है की हमने आज सत्र/ बैठक में क्या क्या किआ । हमने अपने संविधान के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से पर चर्चा की और इसकी महत्वा को समझा। अब आप जानते हैं कि प्रस्तावना में हमारे देश का सपना और दृष्टिकोण शामिल हैं। केवल सपना ही नहीं, बल्कि वह सपना कैसा दिखना चाहिए, यह भी हमारी प्रस्तावना में वर्णित है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारा लक्ष्य इन मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में लागू करना होना चाहिए। करें - सभी को उनके समय और ध्यान के लिए धन्यवाद देकर सत्र को बंद करें।

Resource prepared by: We, The People Abhiyan